web: www.nyaysakshi.com ‖ पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल ‖ पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक-सेहत-विज्ञान-फीचर

SJU Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शुक्रवार 13 सितम्बर 2019 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-01, अंक- 344

चन्द्रयान-2

प्लेन की तरह ट्रेनों में लगेगा ब्लेक बॉक्स

जमशेदपुर (आरएनएस)। हवाई जहाज की तरह अब ट्रेनों में भी ब्लेक बाक्स लगेगा । इससे इंजन की हर गतिविधि रिकार्ड होगी और ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने पर सहीं करणों की जानकरी मिलेगी । 2020तक पांच सौ ट्रेनों के इंजन में ब्लेक बाक्स लगाने की योजन है । रेलवे ने ब्लेक बाक्स लगाने का ट्रायल शुरु कर दिया है । रियल टाइम ट्रेन इन्फर्मेशन सिस्टम योजना के तहत रेलवे इसरो की मदद से ट्रेनों के इंजन में जीपीएस लगा रहा है । जीपीएस के आधार से रेल अधिकारी यह जान सकेंगे कि कौन सी ट्रेन अभी कहाँ है । टाटानगर में यात्री ट्रेनों में इस्तेमाल होने वालें डब्ल्यूजी - 7इंजन में जीपीएस लगाने का काम शुरु है । टाटानगर के न्यू इलेक्ट्रिकल लोको सेड स्थित 240 में से 47इंजनों मे जीपीएस लगा दिया गया है । जबकि मालगाड़ीयों के इंजन मे यात्री ट्रेनों के बाद शुरू होगा । रेलवे बोर्ड से हर तरह के इंजन मा जीपीएस युक्त करने का आदेश है । टाटानगर और बड़ामूंडा लोको शेड के दर्जनो रेल कर्मियों कों इंजनों में जीपीएस लगाने का प्रशिक्षण दक्षिण -पुर्वी जोन ने दिया है ।

भूषण स्टील के पूर्व सीएफओ की जमानत रद्द

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को भूषण स्टील के पूर्व प्रमुख वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) और निदेशक नितिन जौहरी को जमानत देने के दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया है। जौहरी को धोखाधड़ी की कथित गतिविधियों के कारण सीरियस फ्रॉड इंवेस्टीगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) ने दो मई को गिरफ्तार किया था। इसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुनील गौड़ ने जौहरी को राहत देते हुए जमानत मंजूर कर ली थी। वह न्यायिक हिरासत में था।

नलिनी की पैरोल अवधि, हाईकोर्ट ने बढ़ाने से किया इंकार

चेन्नई (आरएनएस)। मद्रास उच्च न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड की दोषी एस नलिनी की पैरोल की अवधि बढ़ाने से इंकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति आारएमटी टीक्का रमन की खंडपीठ ने नलिनी की याचिका पर सुनवाई के दौरान पैरोल की अवधि बढ़ाने से इंकार कर दिया। नलिनी ने अपनी बेटी की शादी की व्यवस्था के लिए पैरोल की अवधि 15 अक्टूबर तक बढ़ाने की अपील की थी। उसे पहले 25 जुलाई को एक माह का पैरोल दिया गया था जिसे 22 अगस्त को तीन सप्ताह बढ़ाकर 19 सितंबर तक कर दिया गया था। उसने इस अवधि को 15 अक्टूबर तक करने की याचिका दायर की थी।

वज्रपात से छह लोगों की मौत, चार झुलसे

गढ़वा (आरएनएस)। झारखंड में गढ़वा जिले के मझिआंव थाना क्षेत्र के पासी टोला में आज वज्रपात से छह लोगों की मौत हो गयी तथा चार अन्य झुलस गयें। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि पासी टोला में तेज बारिश के साथ वज्रपात की घटना हुयी। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गयी जबकि चार अन्य झुलस गयें। मृतकों की तत्काल पहचान नही की जा सकी है। सूत्रों ने बताया कि घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है।

हवाई हमले में पांच आतंकी ढेर

काबुल। अफगानिस्तान के बाल्ख प्रांत के चमताल जिले में तालिबानी आतंकवादियों के ठिकाने पर किये गये सेना के लड़ाकू विमानों के हवाई हमले में कम से कम पांच आतंकवादी मारे गये तथा तीन अन्य घायल हो गये। सेना के उत्तरी प्रांत के प्रवक्ता मोहम्मद हनीफ रेजाई ने बुधवार को बताया कि मंगलवार की शाम को ये हवाई हमले किये गये। इस दौरान कोई भी सुरक्षाकर्मी या आम नागरिक हताहत नहीं हुआ। अप्रैल के मध्य से तालिबान आतंकवादियों ने सरकार विरोधी गतिविधियां तेज कर दी हैं। इस हमले को लेकर तालिबान की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त की गयी है।

कश्मीर को लेकर पाक मंत्री ने कहा दुनिया मानती हैं भारत की बात

नई दिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के मसले को लेकर भारत पर कई तरह के आरोप लगा रहा है। लेकिन इन आरोपों को साबित न करने के बाद पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ती है। इसी कारण पाकिस्तान पूरी दुनिया में अलग-थलग पड़ा है।

अब तो पाकिस्तान के मंत्री भी इस बात को कबूल करने लगे हैं कि पाकिस्तान की बात को दुनिया में कोई सुन नहीं रहा है और जो सुन रहा है वो विश्वास नहीं कर रहा है। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री (गृह मंत्री) ब्रिगेडियर एजाज अहमद शाह ने एक इंटरव्यू में ऐसा कहा है।

एजाज अहमद शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के मसले पर लोग हमारी बात का विश्वास नहीं कर रहे हैं, हम कहते हैं कि भारत ने कश्मीर में कर्फ्यू लगाया है और वहां जुल्म किया जा रहा है। लेकिन कोई हमारी बात मानने को तैयार नहीं है और हर कोई भारत की बात पर ही विश्वास कर रहा है।

एक इंटरव्यू में पाकिस्तानी मंत्री बोले कि आज हमारे देश की बात कोई सुनने के लिए तैयार नहीं हैं, ये एक दिन का काम नहीं है। देश पर राज करने वालों ने छवि को बिगाड़ कर रख दिया है, अभी तक जिसने भी देश की सत्ता चलाई है वही पाकिस्तान की छवि बिगाड़ने का आरोपी है।

ब्रिगेडियर एजाज अहमद शाह ने कहा कि इसके लिए जनरल जिया उल हक, परवेज मुशर्रफ से लेकर इमरान खान तक हर सत्ताधारी जिम्मेदार है।

इतना ही नहीं इस इंटरव्यू में इमरान खान के मंत्री ने मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद को 'साहेब' कहकर बुलाया और कहा कि हाफिज सईद ने पाकिस्तान के खिलाफ कोई काम नहीं किया है। हाफिज सईद को लड़ाई लड़ने के लिए खड़ा किया गया था, लेकिन अब उन्हें काबू में करने की जरूरत है।

आपको बता दें कि पाकिस्तान के गृह मंत्री का बयान उस वक्त आया है जब पाकिस्तान को ह्यात्रष्ट, ह्र में बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान ने भारत के द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने का विरोध किया है और इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नियमों का उल्लंघन बताया है।

छः एके -47 सहित तीन आतंकी गिरफ्तार

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में एक ट्रक से तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद किये गए। कठुआ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीधर पाटिल ने बताया कि आज सुबह पंजाब से जम्मू की ओर जा रहे एक ट्रक से तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए तथा ट्रक को जब्त कर लिया गया है। सुरक्षाबलों को इनपुट मिला था कि एक ट्रक से हथियार ले जाए जा रहे हैं। इसके बाद सुरक्षाबलों ने ट्रक का पीछा किया और ट्रक को बरामद करने में सफलता पाई। इन आतंकियों को पंजाब-जम्मू-कश्मीर बॉर्डर के लखनपुर इलाके से गिरफ्तार किया गया है। आईजीपी के मुताबिक बरामद किये गए ट्रक की जांच की जा रही है। गिरफ्तार किये गए सभी आरोपी कश्मीर निवासी हैं। कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि यह आतंकवादी कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकवादियों की मदद से पठानकोट में बामयाल सीमा से होते हुए अंतरारष्ट्रीय सीमा की ओर से दाखिल हुए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बरामद किये गये हथियारों में एके 47 राइफलें भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अब तक यह पता नहीं चल सका है आतंकवादी सीमा पार कर देश में घुसे थे या पहले से ही यहीं रह रहे थे।

मुकरा पाक, कुलभूषण जाधव को दूसरी बार राजनयिक पहुंच देने से किया इनकार

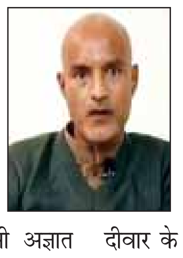

इस्लामाबाद। पाकिस्तान एक बार फिर अपने वादे से मुकर गया है। अंतरराष्ट्रीय अदालत (आईसीजे) के फैसले के आगे झुकते हुए दो सितंबर को पाकिस्तान ने पहली बार भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को राजनयिक पहुंच दी थी, जिसके बाद एक शीर्ष भारतीय राजनयिक की जाधव से किसी अज्ञात स्थान पर करीब एक घंटे तक मुलाकात हुई थी। लेकिन पाक ने जाधव को दूसरी बार राजनयिक पहुंच देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता डॉक्टर मोहम्मद फैसल ने इसकी जानकारी दी। पहली बार दी गई राजनयिक पहुंच में जाधव से मुलाकात इस्लामाबाद में स्थित पाक विदेश मंत्रालय के मुख्य भवन में होनी थी। मगर, ऐन वक्त पर पाक ने मिलने के स्थान को बदल दिया था। जगह के बारे में सुरक्षा कारणों का हवाला देकर कोई जानकारी नहीं दी गई। भारत की मांग के मुताबिक राजनयिक पहुंच की इजाजत बिना किसी शर्त के दी गई थी। पूरी प्रक्रिया में सीसीटीवी का भी इस्तेमाल किया गया। बता दें कि 25 दिसंबर, 2017 को जाधव से उनकी मां और पत्नी ने मुलाकात भी कड़ी निगरानी में शीशे की दीवार के पीछे कराई गई थी, जिसके चलते पाक की काफी फजीहत हुई थी। उस दौरान भी पाक ने झूठी और मनगढ़ंत कहानी रची थी। उल्लेखनीय है कि जाधव को कथित जासूसी के आरोप में पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने मौत की सजा सुनाई है। इसके खिलाफ भारतीय पक्ष ने अंतरराष्ट्रीय अदालत में अपील की थी, जहां भारत को कामयाबी मिली। अदालत ने साफ कर दिया था कि जाधव को न्यायिक सुविधा मिलनी चाहिए और पाकिस्तान इससे इनकार नहीं कर सकता है।

लद्दाख में फिर हुई भरतीय-चीनी सैनिकों के बीच झड़प

» अतिरिक्त बल तैनात

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और चीन के बीच एक बार फिर सीमा पर तनाव बढ़ गया है। बुधवार को भारत और चीन के सैनिकों के बीच पैंगोंग झील के पास झड़प हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों सेनाओं के बीच ब्रिगेडियर स्तर की फ्लैग मीटिंग के बाद मामला शांत हुआ।

सूत्रों के अनुसार, 134 किलोमीटर में फैली पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच धक्कामुक्की शुरू हुई। इस झील का दो तिहाई हिस्सा चीन के नियंत्रण में है क्योंकि इसका फैलाव लद्दाख से लेकर तिब्बत तक फैला हुआ है।

भारतीय सैनिक पट्रोलिंग पर थे और इसी दौरान उनका आमना-सामना चीन के पीपल्स लिब्रेशन आर्मी के सैनिकों के साथ हो गया। चीनी सैनिकों ने इलाके में भारतीय सैनिकों की मौजूदगी का विरोध किया इसके बाद दोनों ओर के सैनिकों में धक्का-मुक्की होने लगी। दोनों पक्षों ने इलाके में अपने सैनिकों की संख्या बढ़ा दी, देर शाम तक यह संघर्ष जारी था।

भारतीय और चीनी सेना के बीच धक्का-मुक्की पर जानकारी भी सामने आ गई है। भारतीय सेना ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच प्रतिनिधिमंडल बातचीत के बाद तनातनी की स्थिति खत्म हो गई है।पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर विवादित फिंगर 5 से फिंगर 8 इलाके में 15 अगस्त 2017 को भी दोनों देशों के सैनिकों में झड़प हुई थी, जिसमें पत्थरों और लोहे के रॉड्स का भी एक दूसरे के खिलाफ इस्तेमाल किया गया था। उसी साल सिक्किम-भूटान-तिब्बत सीमा पर डोकलाम में दोनों सैनिकों के बीच काफी दिनों तक तनातनी रही। 73 दिनों तक एक दूसरे के सामने डटे रहने के बाद सैनिक हटे थे।

जैव आतंकवाद सबसे बड़ा खतरा : राजनाथ

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आतंकवाद के लिए जैविक हथियारों का इस्तेमाल अभी एक बड़ा खतरा है और सेनाओं तथा उसकी चिकित्सा शाखा को इससे निपटने के लिए तैयार रहना होगा।

सिंह ने आज यहां शंघाई सहयोग संगठन देशों के पहले मिलिट्री मेडिसिन सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा, मैं जैविक-आतंकवाद की समस्या से निपटने की क्षमता विकसित करने के महत्व को रेखांकित करना चाहता हूं। जैविक-आतंकवाद अभी एक वास्तविक खतरा है। यह संक्रामक महामारी की तरह फैलता है और सशस्त्र सेनाओं तथा मेडिकल सेवाओं को इससे निपटने के लिए आगे बढकर मोर्चा संभालना होगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि रण क्षेत्र से संबंधित प्रौद्योगिकी में निरंतर बदलाव आ रहा है और इससे नयी-नयी चुनौती पैदा हो रही हैं। नये और गैर परांपरागत युद्धों ने इन चुनौतियों को और जटिल बना दिया है। सशस्त्र सेनाओं की मेडिकल सर्विस को इन चुनौतियो का पता लगाने और इनके कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को

कम करने की रणनीति सुझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

उन्होंने कहा कि परमाणु, रसायनिक और जैविक हथियारों के कारण भी स्थिति निरंतर जटिल हो रही है। सशस्त्र सेनाओं के चिकित्सा से जुड़े विशेषज्ञ संभवत इन खतरनाक चुनौतियों से निपटने के साजो-सामान से लैस हैं। घायलों की देखभाल और उनका बचाव मिलिट्री मेडिसिन का महत्वपूर्ण पहलू है। लड़ाई के दौरान चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने वाली मेडिकल सेवाओं का यह कर्तव्य है कि उनके पास घायलों को जल्द से जल्द जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्पष्ट , प्रभावशाली और जांचा परखा तरीका होना चाहिए। ये तरीके और रणनीति विभिन्न सैन्य अभियानों को ध्यान में रखकर तैयार किये जाने चाहिए।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शिवकुमार की बेटी पूछताछ के लिए पहुंची ईडी मुख्यालय

बेंगलूरु (आरएनएस)। कर्नाटक के पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी के शिवकुमार की बेटी एश्वर्या पूछताछ के लिए गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मुख्यालय पहुंच गई हैं। शिवकुमार खुद धनशोधन मामले में इस समय ईडी की हिरासत में हैं।

डीके शिवकुमार के भाई और कांग्रेस सांसद डीके सुरेश जो ने कहा कि ऐश्वर्या को ईडी अधिकारियों ने समन भेजा है।

दरअसल, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार डीके शिवकुमार के मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। डीके सुरेश ने कहा कि ऐश्वर्या ईडी अधिकारियों का सामना करेंगी। कानून सबके लिए बराबर है और वह एक साहसी लड़की है। अगर ईडी उसे पूछताछ करना चाहता है तो वह पूछताछ कर सकता है। शिवकुमार और उनका परिवार इसके लिए तैयार हैं। ईडी अधिकारी इसके लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन, ईडी अधिकारियों को इसी तरह से दूसरे नेताओं के परिवारों से भी पूछताछ करनी चाहिए।

गौरतलब है कि शिवकुमार को पिछले 3 सितंबर को पूछताछ के लिए गिरफ्तार किया गया था। ऐश्वर्या मैनेजमेंट ग्रेजुएट हैं और शिवकुमार की कई संपत्तियों की मालिक हैं। आज अधिकारी उनके बयान को दर्ज करेंगे। यह बयान धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज किए जाएंगे।

ट्रंप कर सकते हैं ईरान पर लगे प्रतिबंधों में कटौती

वॉशिंगटन । राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपने ईरानी समकक्ष के साथ इस महीने बैठक का रास्ता साफ करने के लिए ईरान पर लगे प्रतिबंधों को कम करने की योजना संबंधित अफवाहों के बीच उन्होंने आगामी सप्ताहों में ईरान को प्रतिबंधों में राहत देने की बात से इंकार भी नहीं किया है।

ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से बात करने के दौरान तेहरान पर लगे प्रतिबंधों में राहत देने के सवाल पर ट्रंप ने कहा, देखते हैं, क्या होता है।

ट्रंप ने एक प्रेस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने सितंबर के अंत में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान रूहानी को मुलाकात के लिए राजी करने के लिए सोमवार को प्रतिबंध कम करने के विषय पर चर्चा की थी।

प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्व मंत्री स्टीवन मनुचिन ने कथित रूप से इस विचार का समर्थन किया लेकिन पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन स्पष्ट रूप से इसके खिलाफ थे। ट्रंप द्वारा बोल्टन से उसी शाम इस्तीफा मांगने के पीछे यह कारण हो सकता है।

ट्रंप ने उन विवरणों की पुष्टि नहीं की और न्यूयॉर्क में रूहानी से मुलाकात के लिए अपनी अति उत्सुकता छिपाई, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें लगता है कि ईरान द्विपक्षीय संबंध सुधारने के लिए वॉशिंगटन से समझौता करना चाहता है और इसलिए अमेरिका ईरान में शासन परिवर्तन नहीं चाहता।

ट्रंप ने कहा कि ईरान भारी वित्तीय परेशानियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि अगर वे अमेरिका से समझौता कर लें तो उनके समृद्ध होने की बहुत संभावना है।

अल-कायदा चीफ ने 9/11 की बरसी पर अमेरिकी, इजरायल और रूस की सेना के खिलाफ संघर्ष का दिया संदेश

काबुल। अल-कायदा के लीडर अयमान अल-जवाहिरी ने 9/11 की बरसी पर मुस्लिम समुदाय से एकजुट होकर पश्चिमी देशों को बर्बाद करने का संदेश दिया। दुनिया के सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक 9/11 की बरसी आतंकी संगठन के मुखिया ने वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा देनेवाला बयान जारी किया। जवाहिरी ने दुनियाभर के मुसलमानों से एकजुट होकर अमेरिका, यूरोपियन देशों, इजरायल और रूस की फौजों पर हमला करने का संदेश दिया।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान में छुपा है अल-जवाहिरी- इजिप्ट का सर्जन अल-जवाहिरी आतंकी संगठन अल-कायदा का सरगना 2011 में ओसामा बिन लादेन के खात्मे के बाद बना था। उसके बारे में माना जा रहा है कि वह अफगानिस्तान और पाकिस्तान बॉर्डर के पास कहीं सुरक्षित स्थान पर छिपा हुआ है। कई बार जवाहिरी की मौत की भी अफवाह उड़ी, लेकिन उसने विडियो जारी कर इनका खंडन किया।

अमेरिकी फौजों को निशाना बनाने का संदेश- अल-कायदा के मीडिया चैनल अस-साहब मीडिया फाउंडेशन की ओर से जवाहिरी का विडियो जारी किया गया। 33 मिनट 28 सेकेंड के इस विडियो में आतंकी संगठन के सरगना ने कई बार जिहाद शब्द का प्रयोग किया है। वह विडियो में एक जगह कहता है, अगर जिहाद को आप पूर्ण रूप से सैन्य ठिकानों पर फोकस करना चाहते हैं तो अमेरिकी फौजें दुनियाभर में हर जगह फैली हुई हैं। आपके देश में अमेरिकी सैन्य बलों की भरमार है और ये फौजें हमारे समूह को भ्रष्ट कर रही हैं।

विडियो में दिए भड़काऊ संदेश- अल-जवाहिरी ने विडियो में पकड़े गए लड़ाकों के आतंक के रास्ता छोड़ने की घटनाओं पर तीखी प्रतिक्रिया दी। जवाहिरी ने इसे रास्ते से भटकना बताते हुए कहा, जैसे कुछ लोगों ने हमारे खिलाफ जाकर सेना का साथ पकड़ लिया है उनकी पहचान करना जरूरी है। ऐसे लोगों की पहचान कर इन्हें हमारे पसंद की जगह और तरीके से ठिकाने लगाना होगा। इन लोगों को पहचानने के लिए हमें अपने मौलिक तरीकों पर काम करना होगा।